CBSE Class – 4 Hindi

NCERT Solutions

रिमझिम पाठ- 11. पढ़क्कू की सूझ

<u>कविता में कहानी</u>

प्रश्न- 'पढ़क्कू की सूझ' कविता में एक कहानी कही गई है| इस कहानी को तुम अपने शब्दों में लिखो|

उत्तर- इस प्रश्न के उत्तर के लिए 'कविता-परिचय' देखिए|

<u>कवि की कविताएँ</u>

प्रश्न- तीसरी कक्षा में तुमने रामधारी सिंह दिनकर की कविता 'मिर्च का मजा' पढ़ी थी| अब तुमने उन्ही की कविता 'पढ़क्कू की समझ' पढ़ी|

(क) दोनों में से कौन-सी कविता पढ़कर तुम्हें ज्यादा मजा आया?

(चाहो तो तीसरी की किताब फिर से देख सकते हो|)

उत्तर- मुझे 'काबुली वाला की सूझ' कविता पढ़कर ज्यादा मजा आया|

(ख) तुम्हे काबुली वाला ज्यादा अच्छा लगा या पढ़क्कू? या कोई भी अच्छा नहीं लगा|

उत्तर- मुझे काबुली वाला ज्यादा अच्छा लगा|

(ग) अपने साथियों के साथ मिलकर एक-एक कविता ढूढों| कविताएँ इकट्ठा करके कविता की एक कविता बनाओ|

उत्तर- सभी विद्यार्थी एक-एक कविता ढूँढो और सारी कविताओं को इकट्ठा करके कविता की एक किताब बनाएँ|

<u>मेहनत के मुहावरे</u>

प्रश्न- कोल्हू का बैल ऐसे व्यक्ति को कहते हैं जो कड़ी मेहनत करता है या जिससे कड़ी मेहनत करवाई जाती हैं|

मेहनत और कोशिश से जुड़े कुछ और मुहावरे नीचे लिखें हैं| उनका वाक्यों में इस्तेमाल करो|

*** दिन-रात एक करना**

*** पसीना बहाना**

*** एड़ी-छोटी का ज़ोर लगाना**

उत्तर- *दिन-रात एक करना – नीतू ने डॉक्टर की परीक्षा पास करने के लिए **दिन-रात एक कर** दिया|

***पसीना बहाना** – पैसे कमाने के लिए **पसीना बहाना** पड़ता है|

***एड़ी-चोटी का ज़ोर लगाना** – मैच जीतने के लिए भारतीय टीम ने **एड़ी-चोटी का ज़ोर लगा** दिया|

<u>पढक्कू</u>

प्रश्न- (क) पढ़क्कू का नाम पढ़क्कू क्यों पड़ा होगा?

उत्तर- क्योंकि वह दिन-रात पढता रहता होगा इसलिए उसका नाम पढ़क्कू पड़ा होगा|

(ख) तुम कौन-सा काम खूब मन से करना चाहते हो? उसके आधार पर अपने लिए भी पढ़क्कू जैसा कोई शब्द सोचो|
उत्तर- मैं चित्र बनाने का काम खूब मन से करना चाहता हूँ| इसके लिए मैं 'चित्रकार' कहलाना पसंद करूँगा|

अपना तरीका

प्रश्न- हाँ, जब बजती नहीं, दौड़कर तनिक पूँछ धरता हूँ?
पूँछ धरता हूँ का मतलब है पूँछ पकड़ लेता हूँ|
नीचे लिखे वाक्यों को अपने शब्दों में लिखो|
(क) मगर बूँद भर तेल सांझ तक भी क्या तुम पाओगे?
उत्तर- मगर शाम तक भी बूँद भर तेल तुम नहीं पा सकोगे|

(ख) बैल हमारा नहीं अभी तक मंतिख पढ़ पाया है|
उत्तर- हमारे बैल ने अभी तक तर्कशास्त्र नहीं पढ़ा|

प्रश्न- सिखा बैल को रखा इसने निश्चय कोई ढब है|
उत्तर- इसने बैल को जरुर कोई तरीका सिखा रखा है|

(घ) जहाँ न कोई बात, वहाँ भी नै बात गढ़ते थे|
उत्तर- जहाँ कोई बात नहीं होती थी, वहाँ भी नै बात बनाने लगते थे|

गढना

प्रश्न- पढ़क्कू नयीं नयीं बातें गढ़ते थे|
बताओ, ये लोग क्या गढ़ते हैं?
उत्तर- सुनार – गहना
लुहार - लोहे की चीज़े
ठठेरा - बर्तन
कवि - कविता
कुम्हार - मिट्टी के बर्तन
लेखक - कहानी

अर्थ खोजो

प्रश्न- नीचे दिए गए शब्दों के अर्थ अक्षर्जाल में खोजो-

ढब, भेद, गजब, मंतिख, छल

त	र्क	शा	स्त्र	म्र
रा	ज	त	क	ब
जू	स	री	मा	धो
रा	ज़	का	ल	खा
धो	क	म	ल	ड़

उत्तर- ढब - तरीका **भेद** - राज़

गज़ब - कमाल **मांतिख** - तर्कशास्त्र

छल - धोखा